Impact Factor: 1.498
H-index : 3, g-index: 3, e-index : 1.41
hI index: 3, hm-index : 3, hc-index : 8, AW-indx : 7.58

ISSN: 2321-8819 (Online)
2348-7186 (Print)

Volume IV, Issue 12 November, 2016

Asian Journal Of Multidisciplinary Studies

A DOUBLE - BLIND PEER REVIEWED MONTHLY INTERNATIONAL JOURNAL

CHIEF EDITOR
DR. MOHAN L. JAMDADE

Sr.No.	Article Name	Author Name	Page No.
17.	कुटीर उद्योगों में कार्यरत महिलाएं एवं भूमिका द्वन्द्व	योगेश चन्द्र निवेदिता अवस्थी	103-111
18.	Financial Reporting Quality, Does Regulatory Changes Matter? Evidence from Nigeria	Muhammad Umar Kibiya, Ayoib B. Che-Ahmad, Noor Afza Amran	112-118
19.	'चंद्रपूर जिल्ह्यातील ताडोबा अंधारी व्याघ्र प्रकल्पा शेजारील मानव व प्राणी यांच्यातील संघर्ष एक अभ्यास	महेश प्रभाकर रत्नपारखी	119-124
20.	Organizational Capabilities and Performance of Manufacturing Companies in Developing Economies	Abdulrahman Muhammed, Sa'ari Ahmad	125-132
21.	Theme of social Injustice in Daya Pawar's *'Baluta'*	Anita Madhav Bhosale	133-135
22.	Check List of Avifauna of Kuhi Lake of Nagpur Distr of Maharashtra State	Pranita P. Belkhode, Shashikant R. Sitre, Shanta Satyanarayan	136-139
23	Agriculture Magazines and Information Dissemination A study of Government Identified Farmers in Andhra Pradesh	Madineni Sreeramulu G. Anita	140-145
24	अफगानिस्तान : एक अस्थिर राष्ट्र का सच	नेहा निरंजन	146-151
25.	BOOK REVIEW: ECO TOURISM AND ECONOMIC DEVELOPMENT	Choden Bhutia	152-153
26	आयुर्वेद में 'योग'	मैनाली, महेश कुमार महर्जन, रमिता बालकृष्ण, आचार्य	154-157
27	Pilot Study of Effect of Kapikacchu Ghanavati in Senile Hearing Loss	Gajanan B. Patil, R. G. Dole P. P. Diwan	158-165
28	Own Tax Revenues and Buoyancies: Comparative Performance of States	Abbas Haider Naqvi	166-172

Asian Journal of Multidisciplinary Studies

ISSN: 2321-8819 (Online)
2348-7186 (Print)
Impact Factor: 1.498
Vol. 4, Issue 12, November 2016

अफगानिस्तान : एक अस्थिर राष्ट्र का सच

नेहा निरंजन
वरिष्ठ प्राध्यापक
राजनीति एवं लोक प्रशासन विभाग
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

सारांश : प्रस्तुत शोध–पत्र दक्षिण एशिया के एक देश अफगानिस्तान की सच्चाई को प्रस्तुत करने का एक प्रयास मात्र है। अफगानिस्तान की स्थिति एवं इसके विरूद्ध विश्व की महाशक्तियों द्वारा की गई कार्यवाही के साथ–साथ पड़ोसी राष्ट्रों का अपने निजी हितों को पूर्ण करने के लिए इसका उपयोग कर, इस खूबसूरत राष्ट्र को आतंकवाद के नाम पर तबाह कर एक अस्थिर राष्ट्र बनाने का प्रयास किया गया। इस राष्ट्र की सभ्यता, राजनीति इत्यादि में हुये बदलाव को भी प्रस्तुत किया गया है। 20वीं सदी एवं 21वीं सदी में अफगानिस्तान विभिन्न समस्याओं का सामना करते हुये अपने अस्तित्व को बचाने में सफल रहा है।

मुख्य बिन्दु – यायावर, कयामत, डूरंड लाइन, साम्राज्यवादी, पख्तूनों, गुट निरपेक्षता, धर्मान्धता, आतंकवाद, जिहाद।

दक्षिण–मध्य एशिया का एक खूबसूरत देश, जो इतिहास के आरंभ से ही भारत का एक ऐसा प्रवेश द्वार रहा है, जिससे होकर कई सभ्यताएँ आई और शौर्य स्वाभिमान एवं पराक्रम के इतिहास से दक्षिण एशिया को समृद्ध–सशक्त बुनियाद दे गई। आज वही अफगानिस्तान कई वर्षों से युद्ध की मार झेल रहा है। गृहयुद्ध ने खुशहाल और आबाद देश को बर्बाद कर दिया है। काबुल का आनेवाला कल, आजसे भी अधिक भयंकर और डरावना लगता है। ऐसा लगता है कि समूचा देश आत्महत्या कर रहा है। 1978 से लाखों लोग यायावर होकर इधर उधर शरणार्थी बने घूम रहे हैं। लाखों लोग जान गवां चुके हैं। घर–घर से उठता मौत का सन्नाटा, अनिश्चित शांति का मातम मना रहा है। अमेरिका और रूस अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश में काबुल पर कयामत ढ़ाते रहे। पड़ौसी पाकिस्तान ने इस लड़ाई का अपने पक्ष में दोहन किया और आज अमरीका के हाथों का खिलौना बन गया है।

मुजाहिदीनों की हटधर्मिता, प्रतिशोध और षड़यंत्र से उभरे मतभेदों के बीच यह देश स्थाई सत्ता और शांति को टटोलता हुआ आज संक्रमण के चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया है।

अफगानिस्तान को सामान्य तौर पर एक देश कहा जाता है लेकिन देश होने के लिए एक सरकार, निर्धारित क्षेत्रफल और सार्वभौमिकता के जो तत्व होते है वे इस राष्ट्र में ऐतिहासिक रूप से बहुत कम रहे हैं। यहां हमेशा सरकार के स्थान पर कबीलों का शासन रहा है। इसका अधिकांश समय दूसरे देशों से लड़ने या विभिन्न कबीलों के आपसी संघर्ष में ही गुजरा है। आज वहां कृषि, उद्योग, व्यापार, वाणिज्य एवं संचार के साधन, मौद्रिक व्यवस्था आदि सभी कुछ पूरी तरह से अस्त–व्यस्त है। वहां की अधिकांश जनसंख्या अत्यधिक गरीबी का जीवन जी रही है। लड़ना और संघर्ष करना वहाँ की नियति बन गई है। एक ओर जहाँ अमरीका विश्व का सबसे शक्तिशाली देश है वहीं अफगानिस्तान सदियों से शक्तिशाली देशों की जोर आजमाइश का उतना ही गरीब अखाड़ा बने रहने को मजबूर अभागा देश रहा है।

जहां तक राजनीतिक हालात का सवाल है इसका इतिहास युद्धों से भरपूर रहा है। सत्ता परिवर्तनों में से एक था सितम्बर 1996 का उलटफेर, जब तालिवान नामक कथित समूह ने हथियारों के बल पर देश के नब्बे प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया। तालिबानियों ने अफगानिस्तान को अपने कब्जे में लिया और उसका नाम बदलकर 'इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान' कर दिया। इस तालिबानी शासन को पाकिस्तान, साऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने मान्यता भी दी।

भौगोलिक परिचय

अफगानिस्तान दक्षिण एशिया में स्थित है। इसकी दक्षिण पूर्वी सीमा पाकिस्तान से, उत्तरी सीमा एशियाई रूस से, पश्चिमी सीमा ईरान से मिलती है। इसकी सीमाएँ सुदृढ़ प्राकृतिक सीमाएँ हैं अफगान के निवासी इस्लाम के अनुयायी हैं और अफगान की राजधानी काबुल है।

अफगानिस्तान का ब्रिटेन, अमरीका, भारत, चीन, ताईवान, हांगकॉग और पूर्व सोवियत संघ के साथ लंबे समय से आयात–निर्यात चल रहा है। इसमें उपभोक्ता वस्तुएँ पेट्रोलियम, कपड़ा, गेहूँ, इलेक्ट्रॉनिक सामान, खाने, कपास, ऊन आदि प्रमुख हैं। यहां के 80 प्रतिशत कृषक कपास, एरंड, अंगूर, मोटे अनाज आदि की कृषि करते हैं। काबुल मेवों के लिए प्रसिद्ध है। ऋग्वेद में जिन नदियों और जनजातियों का उल्लेख है उनके आधार पर यह कहा जा सकता है कि उस काल के आर्य जिस भू–भाग पर रहते थे उसका पश्चिमी विस्तार उस क्षेत्र तक था जिसको आजकल अफगानिस्तान कहा जाता है। सिंधु नदी के पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ अफगानिस्तान में बहती हैं। इनमें सरस्वती, काबुल, स्वात और कुर्रम नदियां